एक्वास्केपिंग से आजीविका के नए आयाम

रोशनी अग्निहोत्री[1], हेमलता सिंह[2], शिवेंद्र कुमार[3] और **ज्योत्स्ना रानी प्रधान[2]**

"वर्तमान समय में नव-मध्यम वर्ग के उभार, शहरीकरण की तेजी और सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण घर की आंतरिक सज्जा से जुड़े उत्पादों और सजावटी पौधों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी प्रकार रंगीन पत्थरों वाले पारंपरिक एक्वेरियम की जगह अब पानी के भीतर बनाए जाने वाले आकर्षक लघु परिदृश्य (एक्वास्केप) की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। सुव्यवस्थित रूप से तैयार प्रत्येक एक्वास्केप में सजावटी पौधों और मछलियों का उपयुक्त संयोजन इसे विशिष्ट बनाता है। तेजी से बदलती जीवनशैली और बढ़ती मांग के साथ इस क्षेत्र में नए रोजगार और व्यावसायिक संभावनाएं विकसित हो रही हैं। उचित प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं और युवा घर से ही एक्वास्केप और एक्वेरियम बनाकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।"

एक्वास्केपिंग एक ऐसी कला और शिल्प है, जिसमें जलीय पौधों, चट्टानों, पत्थरों, ड्रिफ्टवुड और अन्य सजावटी तत्वों को एक्वेरियम में सौंदर्यपूर्ण ढंग से व्यवस्थित किया जाता है, ताकि पानी के भीतर एक आकर्षक और सामंजस्यपूर्ण परिदृश्य बनाया जा सके। यह डिजाइन, बागवानी और एक्वेरियम रखरखाव के सिद्धांतों को एक साथ जोड़ता है। इससे ऐसा दृश्य तैयार होता है, जो प्राकृतिक जल-पर्यावरण की नकल करता है और देखने में अत्यंत मनमोहक लगता है।

अन्य परिदृश्य या आंतरिक सजावट की तरह, एक्वास्केप भी संतुलन, कंट्रास्ट और अनुपात जैसे डिजाइन सिद्धांतों का पालन करते हैं। इन सिद्धांतों के आधार पर एक्वास्केपर सुव्यवस्थित और दृश्यात्मक रूप से आकर्षक जल परिदृश्य तैयार करते हैं।

एक्वास्केपिंग के प्रमुख तत्वों में जलीय पौधे, हार्डस्केप सामग्री और सब्सट्रेट शामिल होते हैं। जलीय पौधों को अग्रभूमि, मध्यभूमि और पृष्ठभूमि में व्यवस्थित किया जाता है, जिससे पूरे परिदृश्य में गहराई और प्राकृतिक प्रवाह उत्पन्न होता है। चट्टानें,

[1]सहायक प्राध्यापक, बागवानी विभाग, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय; [2]सहायक प्राध्यापक, जैव रसायन और पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, आधार विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय; [3]प्राध्यापक, एक्वाकल्चर विभाग, मत्स्य महाविद्यालय, डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर-848125 (बिहार)

रीफ स्टाइल एक्वास्केप

रीफ स्टाइल, जिसे मरीन एक्वास्केप भी कहा जाता है, समुद्री वातावरण की सुंदरता को एक्वेरियम में पुनः निर्मित करने पर आधारित है। इसमें जीवित कोरल, समुद्री शैवाल, समुद्री घास, रंग-बिरंगी मछलियां और जटिल चट्टान संरचनाएं शामिल होती हैं। कोरल और चट्टानों को इस तरह व्यवस्थित किया जाता है कि वे प्राकृतिक रीफ की आकृति और छिपने के स्थानों की नकल कर सकें। इस शैली में सबसे महत्वपूर्ण है सही लवणता, तापमान और प्रकाश व्यवस्था। समुद्री जीवों के लिए संतुलित वातावरण बनाए रखना आवश्यक होता है। ध्यानपूर्वक देखभाल और नियमित निगरानी के साथ यह एक अत्यंत आकर्षक, जीवंत और उच्च स्तरीय एक्वास्केप शैली बन जाती है।

पत्थर और ड्रिफ्टवुड जैसे हार्डस्केप तत्व संरचना और दृश्य आकर्षण प्रदान करते हैं तथा प्राकृतिक आवासों की अनुभूति करवाते हैं। वहीं सब्सट्रेट (बजरी, रेत या विशेष मृदा) से पौधों को पोषण प्रदान होता है और पूरे परिदृश्य का स्वरूप प्रभावित होता है। जब इसके साथ रंग-बिरंगी और शांत स्वभाव वाली मछलियां छोड़ी जाती हैं, तो पूरा एक्वास्केप जीवंत हो उठता है। पानी में हल्की हलचल और मछलियों की गतिविधियां पूरे दृश्य को जीवंत, संतुलित और मन को सुकून देने वाला बना देती हैं।

अवतल आकार का एक्वास्केप एक्वेरियम

एक्वास्केप निर्माण

टेबलटॉप एक्वास्केप बनाना एक ऐसा रोचक और रचनात्मक कार्य है, जिसमें छोटी सी जगह में पानी के भीतर एक पूरी लघु दुनिया सजाई जाती है। सीमित स्थान होने के कारण डिजाइनर को हर तत्व को सोच-समझकर रखना होता है, जिससे कल्पनाशीलता और नवाचार दोनों को जगह मिलती है।

टेबलटॉप एक्वास्केपिंग में कई तरह की शैलियां अपनाई जाती हैं। प्रत्येक शैली अपनी अलग पहचान और सौंदर्य प्रस्तुत करती है। इवागुमी शैली सादगी पर आधारित संतुलन होती है, जंगल शैली से भरपूर होती है। इसके अलावा किसी विशेष थीम पर आधारित सजावट इन सभी शैली में हर रूप अपने ढंग से आकर्षक और अनूठा

बायोटोप एक्वेरियम

बायोटोप एक्वेरियम में किसी विशिष्ट प्राकृतिक आवास जैसे-नदी, झील, दलदल या वर्षावन की वास्तविक प्रतिकृति को तैयार किया जाता है। इसमें वहीं पौधे, हार्डस्केप और जलीय जीव शामिल किए जाते हैं, जो उस प्राकृतिक स्थान के मूल निवासी होते हैं। चयनित बायोटोप की सही नकल करने के लिए उसके पर्यावरण, पानी की विशेषताओं, तलछट, पौधों और जीवों का गहन अध्ययन किया जाता है। इस शैली में केवल वही प्राकृतिक तत्व और प्रजातियां उपयोग की जाती हैं, जो वास्तविक बायोटोप में पाई जाती हैं। इससे एक्वेरियम पूर्णतः प्रामाणिक और पारिस्थितिक रूप से सटीक दिखाई देता है।

सारणी 1. भारतीय एक्वेरियम के लिए एक्वास्केप पौधे और सजावटी मछलियां

पौधे का नाम	वैज्ञानिक नाम	प्रकार	प्रकाश आवश्यकता	CO_2 आवश्यकता	विकास की गति	देखभाल का स्तर
अग्रभूमि के पौधे						
बौना बेबीटियर्स	हेमिएन्थस कैलिट्रिकॉइड्स	कार्पेटिंग	उच्च	उच्च	मध्यम	उन्नत
हेयरग्रास	एल्योकारिस पार्वूला	कार्पेटिंग	मध्यम-उच्च	मध्यम	मध्यम	मध्यवर्ती
मॉन्टेकार्लो	माइक्रैंथेमम ट्वीडीआई	कार्पेटिंग	मध्यम-उच्च	मध्यम	तेज	मध्यवर्ती
मध्यभूमि के पौधे						
जावाफर्न	माइक्रोसोरम टेरोपस	एफिाइट	निम्न-मध्यम	कोई नहीं	धीमा	आसान
क्रिप्टोकोराइन वेंडटी	क्रिप्टोकोराइन वेंडटीआई	रोसेट	निम्न-मध्यम	निम्न	धीमा	आसान
पृष्ठभूमि के पौधे						
वैलिस्नेरिया	वैलिस्नेरिया स्पाइरैलिस	घास जैसा	निम्न-मध्यम	कोई नहीं	तेज	आसान
कैबोम्बा	कैबोम्बा कैरोलिनियाना	तना	मध्यम-उच्च	मध्यम	तेज	मध्यवर्ती
तैरते पौधे						
जल कुंभी	पिस्टिया स्ट्रैटिओटेस	तैरता	मध्यम	कोई नहीं	बहुत तेज	आसान
जल सलाद	सल्वीनिया नैटन्स	तैरता	मध्यम	कोई नहीं	बहुत तेज	आसान

सारणी 2. एक्वास्केपिंग हेतु उपयुक्त सजावटी मछलियां

मत्स्य प्रजाति	वैज्ञानिक नाम	मूल स्थान	आकार (सें.मी.)	स्वभाव	टैंक का आकार (लीटर)	पानी के पैरामीटर	समूह का आकार
छोटी सामुदायिक मछलियां							
जेब्राडानियो	डैनियो रेरीओ	भारत-बांग्लादेश	5-6	सक्रिय शांति प्रिय	40+	पी-एच 6.5-7.5, 18-25^{O} से.	5+
रासबोरा	ट्राइगोनोस्टिग्मा हेटरोमार्फा	दक्षिण-पूर्व एशिया	4-5	शांति प्रिय	40+	पी-एच 6.0-7.5, 22-28^{O} से.	6+
केंद्रीय मछलियां							
हनीगुरामी	ट्राइकोगास्टर चूना	भारत-बांग्लादेश	5-7	शांति प्रिय	60+	पी-एच 6.5-7.5, 22-28^{O} से.	जोड़ा
पर्लगुरामी	ट्राइकोपोडस लेरीई	दक्षिण-पूर्व एशिया	10-12	शांति प्रिय	150+	पी-एच 6.0-8.0, 24-28^{O} से.	जोड़ा
तलहटी निवासी							
ब्रिसलनोसप्लेको	ऐन्सिस्ट्रस सिर्रोहस	दक्षिण अमेरिका	12-15	शांति प्रिय	150+	पी-एच 6.5-7.5, 20-28^{O} से.	अकेला
कुहलीलोच	पैन्जियो कुहली	दक्षिण-पूर्व एशिया	8-12	शांति प्रिय	80+	पी-एच 6.0-7.0, 24-28^{O} से.	3+
भारतीय मूल की प्रजातियां							
ग्लास कैटफिश	क्रिप्टॉप्टेरस विट्रीओलस	दक्षिण-पूर्व एशिया/भारत	10-15	शांति प्रिय	200+	पी-एच 6.0-7.0, 22-26^{O} से.	3+
फ्लाइंग बार्ब	एसोमस डैनरिकस	भारत	8-12	सक्रिय शांति प्रिय	100+	पी-एच 6.5-7.5, 20-28^{O} से.	5+
झींगा और अकशेरुकी							
अमानो श्रिंप	कैरीडीना मल्टिडेंटाटा	जापान	4-6	शांति प्रिय	40+	पी-एच 6.5-7.5, 20-26^{O} से.	3+
मिस्ट्री स्नेल	पोमेशिया ब्रिजीआई	दक्षिण अमेरिका	5-6	शांति प्रिय	कोई भी	पी-एच 7.0-8.0, 20-28^{O} से.	व्यक्तिगत

होता है। इन शैलियों की समझ होने से यह तय करना आसान हो जाता है कि अपने एक्वेरियम के लिए कौन सा तरीका सबसे उपयुक्त रहेगा।

विभिन्न शैलियों पर प्रयोग करते हुए न केवल कौशल विकसित होता है, बल्कि अपनी व्यक्तिगत एक्वास्केपिंग पसंद भी स्पष्ट होती जाती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता है, उतने ही बेहतर और अधिक स्वाभाविक जल परिदृश्य तैयार किए जा सकते हैं।

इवागुमी शैली

इवागुमी एक ऐसी एक्वास्केपिंग शैली है, जिसमें चट्टानों को मुख्य केंद्र बिंदु बनाया जाता है। इसका लक्ष्य कम तत्वों के साथ एक शांत, संतुलित और प्राकृतिक दृश्य तैयार करना होता है। जापानी मूल की इस शैली में चट्टानों की स्थिति, आकार और सामंजस्य सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इन्हें आमतौर पर रूल ऑफ थर्ड्स के अनुसार तीन या पांच की विषम संख्या में व्यवस्थित किया जाता है, जिससे दृश्य स्वाभाविक और आकर्षक दिखाई देता है। पौधों का प्रयोग सीमित रखा जाता है-अधिकतर कम ऊंचाई वाले कालीन जैसे या हल्के पृष्ठभूमि के पौधे, ताकि चट्टानों की संरचना पूरी तरह उभरकर सामने आए।

तेजी से बढ़ रही एक्वास्केपिंग की लोकप्रियता

नेचर एक्वेरियम

यह शैली प्राकृतिक परिदृश्यों जैसे-नदियां, झीलें, जंगल या पहाड़ की प्रतिकृति पर आधारित होती है। इसका उद्देश्य एक मछलीघर में वास्तविक दुनिया जैसी गहराई, संतुलन और प्राकृतिक प्रवाह दिखाना है। इसमें पौधों को अग्रभूमि, मध्यभूमि और पृष्ठभूमि की परतों में सजाकर एक घना और वास्तविक जैसा दृश्य बनाया जाता है। डिजाइन में दृश्य प्रवाह पर विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि लेआउट पानी के प्राकृतिक बहाव जैसा लगे। इसके

लिए विभिन्न प्रजातियों के पौधों का मिश्रण उपयोग किया जाता है। अग्रभूमि में कालीन जैसे पौधे, जबकि पीछे ऊंचे पौधे रखकर प्राकृतिक वातावरण की विविधता प्रदर्शित की जाती है।

डच शैली

इस शैली में प्राकृतिक परिदृश्य की नकल नहीं की जाती, बल्कि पौधों की रंगीन और कलात्मक व्यवस्था पर जोर दिया जाता है। इसमें पौधे अग्रभूमि, मध्यभूमि और पृष्ठभूमि में व्यवस्थित किए जाते हैं। इसमें कई तरह की पौधों की प्रजातियां शामिल होती हैं, जिनमें रंग, आकार और बनावट की स्पष्ट विविधता दिखाई देती है। इससे एक्वेरियम को जीवंत और आकर्षक रूप मिलता है।

जंगल शैली

इस एक्वास्केपिंग शैली में घना, ऊंचा और प्राकृतिक वन जैसा परिदृश्य बनाया जाता है। इसमें पौधों को अपेक्षाकृत स्वतंत्र रूप से बढ़ने दिया जाता है, जिससे उनका आपस में जुड़ाव एक स्वाभाविक, जंगली रूप प्रदान करता है। अत्यधिक छंटाई से बचा जाता है, ताकि प्राकृतिक घनत्व बना रहे। इसमें लंबे, मध्यम और छोटे पौधों की परतें मिलकर गहराई और ऊंचाई का प्रभाव बनाती हैं। तेजी से बढ़ने वाली और मजबूत प्रजातियां अधिक उपयोग होती हैं, जिससे एक्वेरियम में जीवंत, घना और वन जैसा दृश्य तैयार होता है।

थीम्ड एक्वास्केप

थीम्ड एक्वास्केप ऐसी रचनात्मक शैली है जिसमें पूरा एक्वेरियम किसी विशिष्ट विषय या कल्पना आधारित अवधारणा जैसे-पानी के नीचे का महल, डूबा हुआ जहाज, प्राचीन खंडहर या काल्पनिक दुनिया के आसपास डिजाइन किया जाता है। इसमें प्राकृतिक तत्वों के साथ-साथ सजावटी और कलात्मक वस्तुओं का उपयोग भी किया जाता है, जो वास्तविक पर्यावरण में आवश्यक रूप से नहीं मिलते। इस शैली में सबसे महत्वपूर्ण है चयन की गई थीम के अनुरूप सभी तत्वों का सुसंगत और सामंजस्यपूर्ण संयोजन। पौधों का चयन भी थीम के अनुसार किया जाता है और कई बार वास्तविक व कृत्रिम दोनों प्रकार के तत्वों का संतुलित मिश्रण शामिल किया जाता है। इससे संपूर्ण एक्वास्केप जीवंत, अभिव्यक्तिपूर्ण और आकर्षक दिखाई देता है।

एक्वास्केप डिजाइन के सिद्धांत और तत्व

टेबलटॉप एक्वास्केप तैयार करना एक रचनात्मक प्रक्रिया है। इसमें कला, सौंदर्यबोध और प्राकृतिक विज्ञान का संतुलित मेल होता है। उचित योजना, सूक्ष्म अवलोकन और छोटे-छोटे विवरणों पर ध्यान देकर एक सुंदर लघु जलीय संसार निर्मित किया जा सकता है, जो न केवल सजावटी आकर्षण प्रदान करता है, बल्कि डिजाइनर की कल्पनाशीलता का प्रमाण भी बनता है।

थीम

एक्वास्केप शुरू करने से पहले इसकी थीम या अवधारणा तय करना सबसे महत्वपूर्ण कदम है। यह थीम किसी प्राकृतिक परिदृश्य जैसे-नदी किनारा, झील का तल या वन दृश्य पर आधारित हो सकती है या फिर पूरी तरह कलात्मक और कल्पनाशील भी हो सकती है। एक स्पष्ट थीम कहानी कहने में मदद करती है और पूरा परिदृश्य अधिक जीवंत, अर्थपूर्ण तथा सुसंगत दिखाई देता है।

स्केल और अनुपात

एक्वास्केप मूल रूप से एक लघु दुनिया का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए टेबलटॉप एक्वेरियम में प्रत्येक तत्व का आकार और अनुपात अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। छोटे आकार के पौधों, पत्थरों और सजावटी वस्तुओं का चयन गहराई और संतुलन उत्पन्न करता है। 'थर्ड्स के नियम' जैसे डिजाइन सिद्धांतों का प्रयोग रचना को अधिक प्रभावी और सौंदर्यपूर्ण बनाता है।

हार्डस्केप का रचनात्मक उपयोग

एक्वास्केप को आकर्षक बनाने के लिए फोकल पाइंट्स को केंद्रीय स्थान से हटकर रखना बेहतर होता है। इसके लिए होर्डस्केप सामग्री जैसे ड्रिफ्टवुड के छोटे टुकड़े, लघु चट्टानें या सिरेमिक जैसी अनोखी वस्तुओं का प्रयोग लेआउट को रोचक बनाता है। चट्टानों और ड्रिफ्टवुड की परतें प्राकृतिक भू-आकृति का अहसास करवाती

एक्वास्केपिंग में व्यवसाय मॉडल

- **कस्टम एक्वास्केप डिजाइन:** घर, कार्यालय, रिसेप्शन, होटलों और व्यावसायिक परिसरों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए कस्टम एक्वास्केप डिजाइन सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। स्थान, प्रकाश व्यवस्था, ग्राहक की पसंद और उपलब्ध क्षेत्र के अनुसार विकसित किए गए ये डिजाइन प्रीमियम श्रेणी में उच्च मूल्य पर उपलब्ध करवाएं जाते हैं।
- **एक्वास्केपिंग किट और आपूर्ति:** ऐसे संपूर्ण एक्वास्केपिंग किट विकसित किए जा सकते हैं, जो शुरुआती उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोगी हों। इनमें सब्सट्रेट, उपयुक्त जलीय पौधे, हार्डस्केप सामग्री, लाइटिंग और सेटअप निर्देश शामिल हों। इसके साथ ही, प्रीमियम सब्सट्रेट, विशेष पौधों के उर्वरक, एलईडी प्रकाश प्रणाली, ड्रिफ्टवुड, काई, विशेष चट्टानें और अन्य हार्डस्केप सामग्री अलग से भी उपलब्ध करवाई जा सकती हैं।
- **रखरखाव:** एक्वास्केप की खूबसूरती बनाए रखने के लिए नियमित सेवाएं जैसे पौधों की छंटाई, सब्सट्रेट साफ करना, पानी की गुणवत्ता जांचना और फिल्टर रखरखाव प्रदान की जा सकती हैं।
- **आपातकालीन सेवा:** उपकरण खराब होने, पानी के पैरामीटर बिगड़ने, पौधों या मछलियों के स्वास्थ्य में समस्या आने पर त्वरित निवारण सेवाएं भी व्यवसाय का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती हैं।
- **शैक्षिक कार्यशालाएं और प्रशिक्षण:** एक्वास्केपिंग तकनीकों, उपयुक्त पौधों के चयन, हार्डस्केप व्यवस्था, जैविक संतुलन और टैंक सेटअप पर व्यावहारिक कार्यशालाएं आयोजित की जा सकती हैं। डिजिटल माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रम, वीडियो ट्यूटोरियल और वेबिनार तैयार कर दूरस्थ शिक्षार्थियों तक पहुंचा जा सकता है, जिससे अतिरिक्त आय उत्पन्न होती है।
- **खुदरा एवं ऑनलाइन बिक्री:** एक्वास्केपिंग से संबंधित सभी आवश्यक सामग्री-सब्सट्रेट, पौधे, सजावटी वस्तुएं, उपकरण, फिल्टर, लाइटिंग बेचने के लिए एक विशेष स्टोर स्थापित किया जा सकता है।
- **ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म:** ऑनलाइन स्टोर के माध्यम से पूरे देश में ग्राहकों तक पहुंच बनाकर पौधे, हार्डस्केप सामग्री, उपकरण और सहायक वस्तुएं बेची जा सकती हैं। इससे ग्राहक आधार बढ़ता है और व्यवसाय तेजी से विस्तार पा सकता है।

हैं और गहराई जोड़ती हैं। इसके अतिरिक्त सौम्य जल प्रवाह या बुलबुले जैसी लघु जल सुविधाएं जोड़कर पूरी रचना में जीवंतता बढ़ाई जा सकती है।

जलीय पौधे

एक्वास्केप में रंग, बनावट और प्राकृतिक सुंदरता जोड़ने के लिए छोटे जलीय पौधों की विविध प्रजातियों का उपयोग प्रभावी रहता है। अलग-अलग पत्ती आकार और बनावट वाले पौधों को समूहों में लगाकर संतुलित और स्वाभाविक दृश्य बनाया जा सकता है। कई डिजाइनर न्यूनतम शैली के लिए एक ही प्रजाति का उपयोग करते हैं, जबकि तेजी से बढ़ने वाले पौधे लेआउट में ताजगी और गतिशीलता जोड़ते हैं।

सफल एक्वास्केपिंग के लिए नियमित छंटाई, सफाई और जल की गुणवत्ता का ध्यान जरूरी है। अच्छी देखभाल से एक्वास्केप समय के साथ और भी सुंदर दिखाई देता है। सारणी-1 में उपयोग किए जाने योग्य कुछ प्रमुख सजावटी पौधों की सूची दी गई है।

प्रकाश व्यवस्था

एक्वास्केप के दृश्य प्रभाव को निखारने में उचित प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक्वेरियम विशिष्ट एलईडी लाइटों का उपयोग करके कुछ विशिष्ट स्थानों को अधिक उजागर कर सकते हैं। समायोज्य (एडजस्टेबल) प्रकाश व्यवस्था अलग-अलग दृश्य वातावरण तैयार करती है और डिजाइन के विभिन्न तत्वों जैसे-पौधों की बनावट, रंग और हार्डस्केप को सुंदर ढंग से प्रदर्शित करती है। इच्छित प्रभाव प्राप्त करने के लिए गर्म और ठंडे दोनों प्रकार के रंग तापमानों के साथ प्रयोग किया जा सकता है, क्योंकि प्रकाश का रंग पौधों और चट्टानों की रंगत तथा पूरे एक्वास्केप के वातावरण को बदल सकता है।

मछलियां और अन्य जीव

एक्वास्केप का मुख्य केंद्र भले ही पौधों और हार्डस्केप की संरचना पर रहता है, लेकिन मछलियों (सारणी-2) और अन्य जलीय जीवों का चयन भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। चयन की गई मत्स्य प्रजातियां एक्वास्केप की सौंदर्य धारणा के अनुरूप हों और उसके संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनें। छोटे आकार की मछलियां और जलीय जीव बिना अधिक स्थान घेरे गतिशीलता जोड़ते हैं और डिजाइन को जीवंत बनाते हैं। इनकी हलचल पानी में स्वाभाविक प्रवाह और जीवन का एहसास करवाती है। साथ ही, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि चयन किए गए पौधों तथा निर्मित समग्र जलीय वातावरण एक-दूसरे के लिए अनुकूल हों, ताकि पूरा एक्वास्केप स्वस्थ और संतुलित बना रहे।

पानी और फिल्टर व्यवस्था

यह सुनिश्चित करना कि फिल्टर व्यवस्था टेबलटॉप एक्वेरियम के आकार के लिए उपयुक्त हो, ताकि पानी साफ रहे। स्वच्छ पानी डिजाइन को बेहतर रूप से प्रदर्शित करने में मदद करता है और पूरे एक्वास्केप को आकर्षक बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

रखरखाव और देखभाल

पौधों की छंटाई, सब्सट्रेट की सफाई और पानी के मापदंडों की जांच सहित नियमित देखभाल एक्वास्केप को ताजा और संतुलित बनाए रखती है। जैसे-जैसे एक्वास्केप परिपक्व होता है, समय-समय पर छोटे-छोटे समायोजन करना आवश्यक हो सकता है। कई बार छोटे बदलाव भी समग्र रूप और कार्यक्षमता में सुधार कर देते हैं।

एक व्यवसाय के रूप में एक्वास्केपिंग रचनात्मकता और आर्थिक अवसरों का अनूठा संयोजन प्रस्तुत करती है। डिजाइन कौशल का प्रभावी उपयोग, बाजार की मांगों की समझ और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करके कोई भी उद्यमी इस क्षेत्र में सफल व्यवसाय स्थापित कर सकता है। कस्टम डिजाइन सेवाओं, खुदरा आपूर्ति, ऑनलाइन विपणन या प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से यह क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है।

जलीय परिदृश्यों के प्रति बढ़ती रुचि इसे एक आकर्षक और लाभकारी करियर विकल्प बनाती है। कुल मिलाकर, एक्वास्केपिंग उन लोगों के लिए एक प्रेरणादायक और पुरस्कृत मार्ग है जो रचनात्मकता और प्रकृति के सम्मिलन से नए व्यावसायिक आयाम तलाशना चाहते हैं। ■

भाकृअनुप की मासिक लोकप्रिय पत्रिका
'खेती' मार्च, 2026 अंक के प्रमुख आकर्षण

- पशुपालन के लिए पोषण का हरित भंडार है अजोला
- आधुनिक खेती में ड्रोन तकनीक का महत्व
- त्वरित कंपोस्टिंग तकनीक से फसल अवशेष का पुनर्चक्रण
- उड़द में समन्वित खरपतवार प्रबंधन
- मिलेट-मछली-पशुपालन आधारित एकीकृत खेती मॉडल
- मौसम की समझ, मत्स्य पालन में सफलता की कुंजी
- गर्मी से तनावग्रस्त दुधारू गायों में सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व
- भारतीय कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका
- मकई रेशम का प्रसंस्करण और उपयोग
- विकसित कृषि संकल्प अभियान एक उत्कृष्ट पहल

संपर्क सूत्र: प्रभारी, व्यवसाय एकक, भाकृअनुप-कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय, कैब-1, पूसा गेट, नई दिल्ली-110012
दूरभाष: 25843657, www.icar.org.in